संत थॉमस स्कूल, धुर्वा, राँची-4

सत्र-2021-22

कक्षा-2 विषय-हिंदी

पुस्तक-दिव्य भारती एवं अपराजिता हिंदी व्याकरण

(दिव्य भारती)- पाठ-1 (सुबह सवेरे)

शब्दार्थ- सम्मान-आदर, भ्रमण-सैर करना

व्यायाम-कसरत, स्वच्छ-साफ़

देह-शरीर, प्रस्थान-जाना, प्रातः-सुबह।

1. **अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

उत्तर1. सुबह उठकर सबसे पहले ईश्वर का ध्यान करना चाहिए।

उत्तर2. हमें हमेशा साफ -सुथरे वस्त्र पहनने चाहिए।

उत्तर 1. हम प्रातः छः बजे उठते हैं।

उत्तर 2. दाँत स्वच्छ न करने से हमारे दाँत खराब हो जाएँगे।

उत्तर3. व्यायाम करने के बाद हमें नहा कर साफ कपड़े पहनने चाहिए।

2. 'हाँ' अथवा 'नहीं' में उत्तर दीजिए-

उत्तर- 1. (हाँ) 2.(नहीं) 3. (नहीं)

3. कविता की पंक्तियों का सही क्रम लिखिए-

उत्तर- 1. ईश्वर का तुम ध्यान करो।

2. फिर प्रणाम करो बड़ों को।

3. भ्रमण और व्यायाम करो।

4. विद्यालय प्रस्थान करो।

5. वहाँ सभी को कहो नमस्ते।

(अपराजिता हिंदी व्याकरण)

(**पाठ-1 भाषा और संकेत**)

1. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

उत्तर-(क) भाषा

(ख) मौखिक

(ग) लिखित

(घ) व्याकरण

(ङ) काँव-काँव

2. वाक्य पढ़कर सही (√) या गलत (×) का चिन्ह
   लगाइए-

उत्तर- (क) √

(ख) x

(ग) √

(घ) √

(ङ) x

3. **चित्रों को देखकर भाषा का रूप लिखिए-**

उत्तर- 1. मौखिक

2. लिखित

अनुच्छेद लेखन-(फल)

फल खाना सभी को पसंद है।आम मेरा प्रिय फल है। क्योंकि आम फलों का राजा कहलाता है।फल कई प्रकार के होते हैं जैसे-सेब, केला,अंगूर ।फल हमें ताकतवर बनने में सहायता करते हैं। फल हमें बीमारियों से दूर रखते हैं ।मनुष्य जीवन में फलों का विशेष महत्व है।फल में अनेक प्रकार के पोषक तत्व होते हैं। प्रतिदिन आहार में फलों का उपयोग करने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है।फल प्रकृति का दिया अनमोल तोहफा है।